

श्रमाधारण

EXTRAORDINARY

भ.ग II--ख़ उ 3-- उपल ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 418] नई बिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 19, 1970/कार्तिक 28, 1892

No. 418] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 19, 970/KARTIK 28, 1892

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ सं्या दी जाती है जिससे कि यह बलग संकलगके रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF BAILWAYS

(Railway Board) NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd October 1970

- S.O. 3768.—In exercise of the powers conferred by Section 82/J of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways Accidents (Compensation) Rules, 1950, namely:—
- 1. Short Title: These rules may be called the Rallway Accidents (Compensation) (Amendment) Rules, 1970.
- 2. In the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1950, in rule 4, for subrule (3), the following subrule shall be substituted, namely:—
 - "(3) Where an ad-hoc Claims Commissioner appointed under sub-rule (2) has ceased to function, all claims arising out of a major accident and pending before him shall be transferred to the ex-Officio Claims Commissioner appointed under Sub-rule (1) for the area in which the accident occurred and all additional and further claims arising out of such major accident may be preferred to the said ex-Officio-Claims Commissioner."

[No. 70-TGII/1026/35.] C. S. PARMESWARAN, Secv. Railway Board.

रेलवे मंत्राला (रेलवे बोर्ड)

ग्न**िज्**चना

नई दिल्ली, 23 अनन्बर 1970

एसं जं.० 3768 — भारतीय रेल श्रिधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 82 जे द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1950 में आगे श्रीर संशोधन करने के लिए एनव्द्वारा निम्नलिखित नियम बनानी है:—

- ा लबु शोर्बक:---ये नियम रेल दुर्घटना (प्रतिकर) (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।
- 2. रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1950 के निवस 4 में उप--निवस (3) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जायेगा, प्रशीत :---
 - "(3) जहां उप-नियम (2) के श्रन्तर्गत निबुक्त तदर्थ दावा श्रायुक्त कार्य करना बन्द कर दे वहां किसी बड़ी दुर्घटना के कारगए उत्पन्न श्रीर उसके पास श्रितिणींत पड़े हुए सभी दावे उस क्षेत्र के लिए जहां दुर्घटना बटिन हुई हो, उप-नियम (1) के श्रन्तर्गत नियुक्त पदेन दावा श्रायुक्त को श्रन्तरित कर दिये जायेंगे तथा ऐसी बड़ी दुघटना के फलस्वरूप उत्पन्न सभी श्रतिरिक्त श्रीर श्रपर दावे उक्त पदेन दावा श्रायुक्त को पेश किये जायेंगे।"

[मं० 70 टी जी-2/1026/35] मी० ए.स० परमेण्वरन, सचिव, रेलवे बोर्ड।